



Mrs. Awni kumari

31 Aug 2016

11:36 PM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121065202

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 31/08/2016  
दिन \_\_\_\_\_: बुधवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 23:36:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 44:33:15 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Kanpur  
राज्य \_\_\_\_\_: Uttar Pradesh  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 26:28:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 80:41:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:07:16 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 23:28:44 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:00:16 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 22:10:07 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:46:41 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:27:45 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:41:04 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: शरद  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 14:39:40 सिंह  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 21:39:58 वृष

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: वृष - शुक्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: सिंह - सूर्य  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: मघा - 3  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: केतु  
योग \_\_\_\_\_: शिव  
करण \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: मूषक  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: वनचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: मूषक  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: मू-मुक्ता  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कन्या

#### Astrologer Barkha

Ambika enclave 4f maiky road

930435446

barkhaguptaran@gmail.com

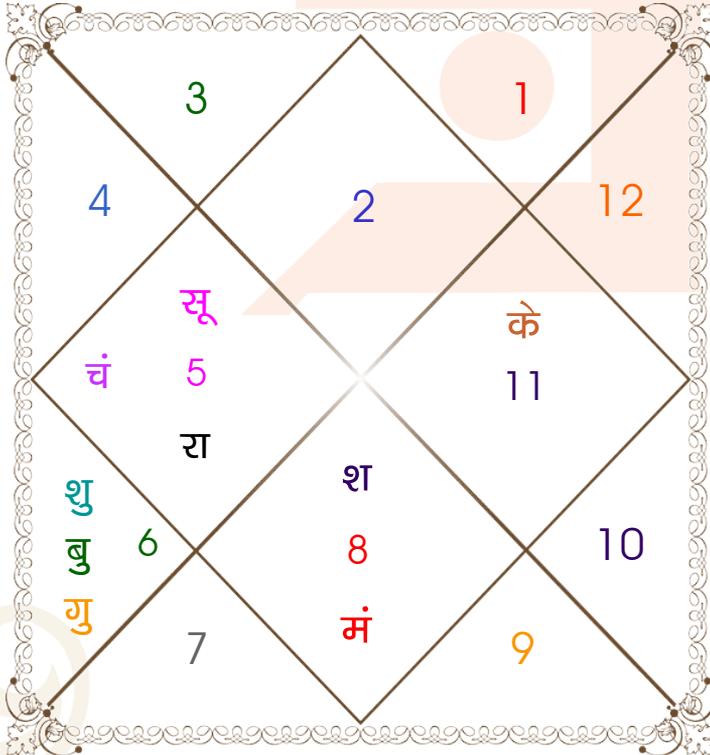
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह    | व | अ | राशि   | अंश      | गति       | नक्षत्र     | पद | नं. | रा    | न     | अं.   | स्थिति     |
|---------|---|---|--------|----------|-----------|-------------|----|-----|-------|-------|-------|------------|
| लग्न    |   |   | वृष    | 21:39:58 | 355:33:11 | रोहिणी      | 4  | 4   | शुक्र | चंद्र | शुक्र | ---        |
| सूर्य   |   |   | सिंह   | 14:39:40 | 00:58:04  | पू०फाल्गुनी | 1  | 11  | सूर्य | शुक्र | शुक्र | मूलत्रिकोण |
| चंद्र   |   |   | सिंह   | 07:21:54 | 12:45:08  | मघा         | 3  | 10  | सूर्य | केतु  | राहु  | मित्र राशि |
| मंगल    |   |   | वृश्चि | 19:42:48 | 00:33:26  | ज्येष्ठा    | 1  | 18  | मंगल  | बुध   | शुक्र | स्वराशि    |
| बुध     | व | अ | कन्या  | 04:55:00 | 00:07:12  | उ०फाल्गुनी  | 3  | 12  | बुध   | सूर्य | शनि   | उच्च राशि  |
| गुरु    |   |   | कन्या  | 04:04:08 | 00:12:34  | उ०फाल्गुनी  | 3  | 12  | बुध   | सूर्य | शनि   | शत्रु राशि |
| शुक्र   |   |   | कन्या  | 07:57:13 | 01:13:32  | उ०फाल्गुनी  | 4  | 12  | बुध   | सूर्य | शुक्र | नीच राशि   |
| शनि     |   |   | वृश्चि | 15:57:39 | 00:01:46  | अनुराधा     | 4  | 17  | मंगल  | शनि   | गुरु  | शत्रु राशि |
| राहु    | व |   | सिंह   | 18:37:18 | 00:00:08  | पू०फाल्गुनी | 2  | 11  | सूर्य | शुक्र | राहु  | शत्रु राशि |
| केतु    | व |   | कुंभ   | 18:37:18 | 00:00:08  | शतभिषा      | 4  | 24  | शनि   | राहु  | चंद्र | शत्रु राशि |
| हर्ष    | व |   | मीन    | 29:59:40 | 00:01:30  | रेवती       | 4  | 27  | गुरु  | बुध   | शनि   | ---        |
| नेप     | व |   | कुंभ   | 16:35:31 | 00:01:39  | शतभिषा      | 3  | 24  | शनि   | राहु  | शुक्र | ---        |
| प्लूटो  | व |   | धनु    | 21:00:00 | 00:00:44  | पूर्वाषाढा  | 3  | 20  | गुरु  | शुक्र | गुरु  | ---        |
| दशम भाव |   |   | कुंभ   | 06:22:05 | --        | धनिष्ठा     | -- | 23  | शनि   | मंगल  | चंद्र | --         |

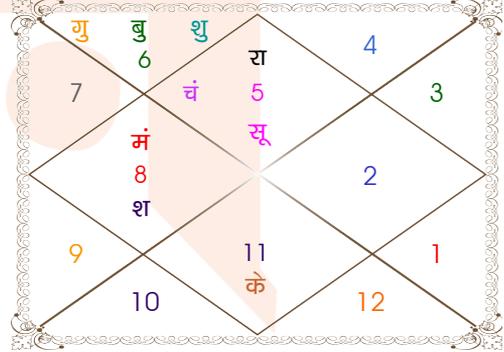
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:19

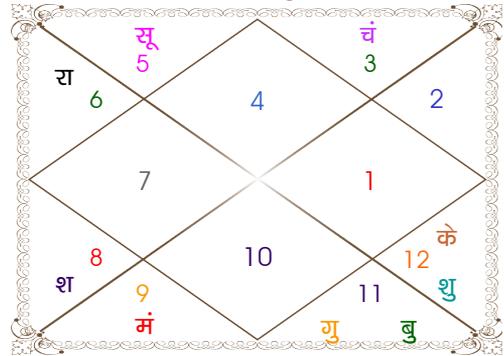
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

### भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 1 मास 18 दिन

| केतु 7 वर्ष     | शुक्र 20 वर्ष    | सूर्य 6 वर्ष     | चंद्र 10 वर्ष    | मंगल 7 वर्ष      |
|-----------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 31/08/2016      | 20/10/2019       | 20/10/2039       | 19/10/2045       | 20/10/2055       |
| 20/10/2019      | 20/10/2039       | 19/10/2045       | 20/10/2055       | 20/10/2062       |
| 00/00/0000      | शुक्र 18/02/2023 | सूर्य 07/02/2040 | चंद्र 20/08/2046 | मंगल 17/03/2056  |
| 00/00/0000      | सूर्य 19/02/2024 | चंद्र 07/08/2040 | मंगल 21/03/2047  | राहु 05/04/2057  |
| 00/00/0000      | चंद्र 19/10/2025 | मंगल 13/12/2040  | राहु 19/09/2048  | गुरु 12/03/2058  |
| 00/00/0000      | मंगल 20/12/2026  | राहु 07/11/2041  | गुरु 19/01/2050  | शनि 20/04/2059   |
| 31/08/2016      | राहु 19/12/2029  | गुरु 26/08/2042  | शनि 20/08/2051   | बुध 17/04/2060   |
| राहु 07/10/2016 | गुरु 19/08/2032  | शनि 08/08/2043   | बुध 19/01/2053   | केतु 13/09/2060  |
| गुरु 13/09/2017 | शनि 20/10/2035   | बुध 13/06/2044   | केतु 20/08/2053  | शुक्र 13/11/2061 |
| शनि 23/10/2018  | बुध 20/08/2038   | केतु 19/10/2044  | शुक्र 20/04/2055 | सूर्य 21/03/2062 |
| बुध 20/10/2019  | केतु 20/10/2039  | शुक्र 19/10/2045 | सूर्य 20/10/2055 | चंद्र 20/10/2062 |

| राहु 18 वर्ष     | गुरु 16 वर्ष     | शनि 19 वर्ष      | बुध 17 वर्ष      | केतु 7 वर्ष      |
|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 20/10/2062       | 19/10/2080       | 19/10/2096       | 21/10/2115       | 20/10/2132       |
| 19/10/2080       | 19/10/2096       | 21/10/2115       | 20/10/2132       | 00/00/0000       |
| राहु 02/07/2065  | गुरु 07/12/2082  | शनि 23/10/2099   | बुध 19/03/2118   | केतु 18/03/2133  |
| गुरु 25/11/2067  | शनि 20/06/2085   | बुध 03/07/2102   | केतु 16/03/2119  | शुक्र 18/05/2134 |
| शनि 01/10/2070   | बुध 26/09/2087   | केतु 12/08/2103  | शुक्र 14/01/2122 | सूर्य 23/09/2134 |
| बुध 20/04/2073   | केतु 01/09/2088  | शुक्र 12/10/2106 | सूर्य 20/11/2122 | चंद्र 24/04/2135 |
| केतु 08/05/2074  | शुक्र 03/05/2091 | सूर्य 24/09/2107 | चंद्र 21/04/2124 | मंगल 21/09/2135  |
| शुक्र 08/05/2077 | सूर्य 19/02/2092 | चंद्र 24/04/2109 | मंगल 18/04/2125  | राहु 01/09/2136  |
| सूर्य 02/04/2078 | चंद्र 20/06/2093 | मंगल 03/06/2110  | राहु 05/11/2127  | 00/00/0000       |
| चंद्र 02/10/2079 | मंगल 27/05/2094  | राहु 09/04/2113  | गुरु 10/02/2130  | 00/00/0000       |
| मंगल 19/10/2080  | राहु 19/10/2096  | गुरु 21/10/2115  | शनि 20/10/2132   | 00/00/0000       |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 1 मा 24 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

**Astrologer Barkha**

Ambika enclave 4f maiky road

930435446

barkhaguptaran@gmail.com

## लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त हैं। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगी।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ती रहेंगी। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगी, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगी। आप कभी भी छलांग नहीं लगाती। आप समय की प्रतीक्षा करती हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरूप कार्य करती हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करती हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहती हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेती हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नहीं हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करती हैं। परिणाम स्वरूप आप यथेष्ट रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगी। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगी।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एवं विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगी। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकती हैं। अर्थात् अपना जीवन आनंदमय बना सकती हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वाकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाती हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद की गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरुचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगी।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांड की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगी।

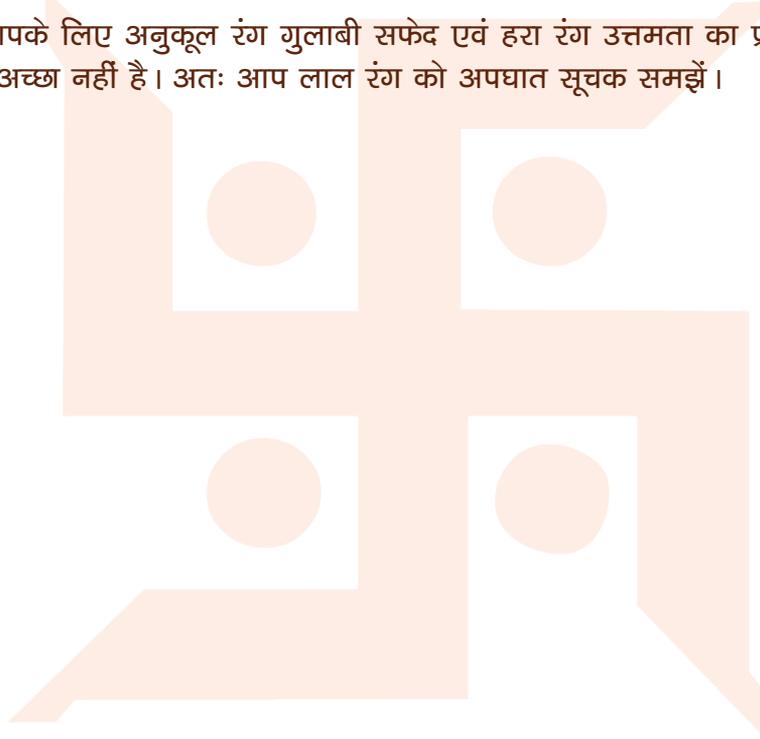
आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगी।

आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था

करेंगी।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाली हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकती हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकती हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।



**Astrologer Barkha**

Ambika enclave 4f maiky road

930435446

barkhaguptaran@gmail.com